रा0 कृ0 +2 उच्च विद्यालय जरमुण्डी

जरमुण्डी, दुमका
E-MAIL- hsjarmundi@gmail.com

A Case Study

परिचय

विद्यालय 1955 से संचालित है। 2019 से वर्ग 1 से 12 तक की पढ़ाई होती है। जिसमें कुल विद्यार्थियों की संख्या 2767 है। यह विद्यालय छात्र संख्या के आधार पर जिले में प्रथम स्थान रखता है। बेहतर विद्यालय प्रबंधन एंव शैक्षणिक परिवेश के कारण आदर्श विद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

आकर्षक विद्यालय परिसर–

पहले विद्यार्थी केवल शिक्षण के लिए आते थे परन्तु जब से इको क्लब तथा बाल संसद का गठन कर उसमें विभिन्न मंत्रियों को चयनित किया गया है तब से उनके द्वारा विद्यालय परिसर में पोषण वाटिका, लघु फुलवारी, पौधा संरक्षण व वृक्षारोपण आदि कार्य बखूबी किया जा रहा है। विद्यालय परिसर में आज लगभग 250 वृक्षारोपण किया गया है । हमारा लक्ष्य इसे गांव गांव तक पहुंचाना है। इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व गुण के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण की भावना बढ़ रही है।

स्वच्छ विद्यालय परिसर

2019 से पूर्व विद्यालय में स्वच्छता के प्रति विद्यार्थियों में उदासीनता थी। परन्तु जब से बाल सांसद का गठन कर उसे देश के सांसदों से जाड़कर उसके महत्व को बताया गया बताया गया तब से विद्यार्थियों में अपने विद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने की रूचि बढ़ी है। आज बाल सांसद व शिक्षकों के सहयोग से विद्यालय परिसर स्वच्छ एवं आकर्षक दिख रहा है। आगे भी बाल सांसद के सफाई मंत्री से विद्यालय परिसर को और अधिक साफ–सुथरा रखने का प्रयास किया जायेगा।

विद्यालय की शुरूआत

विद्यालय में प्रार्थना सभा से विद्यालय की शुरूआत होती थी परन्तु विद्यार्थियों में जल्दी स्कूल पहुँचनें की ललक नहीं थी। अब प्रतिदिन प्रार्थना सभा में पहले आने वाले विद्यार्थियों को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया जाता है, जिससे प्रतिदिन सभी बच्चे ससमय स्कूल पहुँचने लगे है।

प्रार्थना सभा में जन्मदिवस मनाने की पहल भी विद्यार्थियों को ससमय स्कूल आने के लिए प्रेरित करता है।

साथ ही प्रतिदिन शिक्षकों या प्राचार्य महोदय के ज्ञानवर्धक उद्‌बोधन से विद्यार्थियों में अपने जिम्मेंदारियों का बोध हो रहा है।

शिक्षक अभिभावक बैठक प्रति माह

पहले वार्षिक परीक्षाओं में उत्तीर्णता का प्रतिशत लगभग 60–65 रहता था परन्तु जब से प्रत्येक माह शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया जाने लगा तब से शिक्षक एवं अभिभावकों के सहयोग से उतीर्णता का प्रतिशत बढ़कर 85–90 हो गया है। इस प्रतिशत को और अधिक बढ़ाने को लेकर नित्य नए उपाय अपनाये जा रहे है।

स्वस्थ तन स्वस्थ मन एवं बालिका सुरक्षा

समाज में लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराध व शोषण को देखते हुए विद्यालय में लड़कियों को आत्मरक्षा हेतु जूड़ो–कराटे आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें लड़कियाँ निर्भीक होकर विद्यालय आ रही है तथा अपने आप सुरक्षित महसूस कर रही है।

इको क्लब के द्वारा पोषण वाटिका एवं फुलवारी का निर्माण

हमारे पास छात्रों के बीच पर्यावरण जागरूकता क□बढ़ावा देना था एक इक□क्लब का गठन किया ज□स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए विभिन्न पहल हमारे स्कूल परिसर में और इलाके में कर रहा है । हाल ही में हमने एक नया विचार पेश किया हमने अपने स्कूल परिसर में पेड़ों पर लकड़ी का घोंसला लगाया इसके बगल में वृक्षारा□ण, एक छा□टा सा स्थान स्थापित कर गार्डन लगाया और उनके पालन-पा□षण के लिए हमारा इक□क्लब के सदस्य लगातार काम कर रहे हैं इक□क्लब पर्यावरण अनुकूल स्कूल वातावरण प्रदान करने के लिए काम कर रहा है

साईकिल स्टेंड

स्थायी साईकिल स्टैण्ड नहीं रहने के कारण विद्यार्थियों द्वारा जहाँ–तहाँ साईकिल खड़ा कर दिया जाता था जिससे अवकाश के समय विद्यार्थियों के बीच अफरा–तफरी का माहौल बन जाता था।

स्थायी साईकिल स्टैण्ड बन जाने से वर्गवार साईकिल खड़ी हो रही है जिससे छुट्टी के समय विद्यार्थियों को अपनी साईकिल निकालने में आसानी होती है।

बालक बालिकाओं के लिए अलग–अलग साफ सुथरा शौचालय

विद्यार्थियों की अधिकता के कारण उन्हें शौचालय एवं मूत्रालय के उपयोग में परेशानी उठानी पड़ती थी। विशेषकर छात्राओं को ज्यादा परेशानी होती थी। आज विद्यालय में विद्यार्थियों के अनुपात में पर्याप्त शौचालय एवं मूत्रालय की व्यवस्था बालक–बालिकाओं तथा स्टाफों के लिए अलग अलग की गई है, जिसकी नियमित सफाई भी कराई जाती है। जिससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं उठानी पड़ती।

शुद्ध पेयजल–व्यवस्था –

विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के बाद भी शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं रहने के कारण विद्यार्थियों को पानी पीने के लिए यहाँ वहाँ पड़ता था।

अब परिसर में जगह–जगह कैंट आर0 ओ0 जैसे जल शोधक यन्त्र युक्त पेयजल की व्यवस्था की गई है।

शिकायत सह सुझाव पेटी एवं बैहतर शैक्षणिक माहौल

साल भर पहले विद्यालय में शिकायत एवं सुझाव पेटी की कोई व्यवस्था नहीं थी जिससे विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों से विद्यालय प्रशासन अनभिज्ञ रहता था, अब परिसर में जगह–जगह शिकायत एवं सुझाव पेटी लगा दी गई है जिससे विद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों को समस्याओं को जानकर दूर कर तथा विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों से विधि–व्यवस्था कायम करते हुए बेहतर शैक्षणिक परिवेश का निर्माण किया जा रहा है।

खेलकूद एवं बालिका N.C.C

खेलकूद के पर्याप्त साधन एवं सामान नहीं होने से विद्यार्थियों की खेल की प्रतिभा का पता नहीं चल पाता था और न ही उसकी प्रतिभा को निखारा जा सकता था।

आज विद्यार्थियों के लिए प्राचार्य महोदय की पहल से शारीरिक शिक्षक द्वारा खेल कूद के पर्याप्त साधन एवं सामान उपलब्ध कराया गया है जिससे विद्यार्थियों के विभिन्न खेल प्रतिभा को निखारा जा रहा है।

इस वर्ष विद्यालय की वॉलीबॉल टीम राज्य स्तर पर रांची में फाईनल खेल कर आयी है।

पत्रिका प्रकाशन एवं प्रतिभा सम्मान

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में सृजनशैली के विकास हेतु समय समय पर विद्यालय द्वारा विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन तथा उभरती प्रतिभा का सम्मान करने की एक सार्थक पहल की गई है। इसका लाभ यह हुआ है कि अब यहाँ के विद्यार्थी किसी भी सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं से नहीं डरते।

व्यावसायिक शिक्षा

व्यावसायिक शिक्षा की शुरूवात 2016 से **ITS** एवं हेल्थकेयर दो ट्रेड से हुई जिससे विद्यार्थियों को रोजगार परक शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

शैक्षणिक भ्रमण

व्यावसायिक शिक्षा के दोनों ट्रेडों के विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है। इस वर्ष ITS को विद्यार्थियों को गवर्नमेंट टूल रूम जरदाहा दुमका एवं हेल्थकेयर के विद्यार्थियों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रायकिनारी का भ्रमण कराया गया।

विज्ञान लैब

खेल खेल में शिक्षण (TLM)

विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण प्राप्त हो इसके लिए प्राचार्य महोदय द्वारा वर्ग कक्ष में स्मार्ट बोर्ड एवं ध्वनि विस्तारक यन्त्र तथा आधुनिक टी0एल0एम0 की व्यवस्था की गई है। जिसका लाभ हमें वार्षिक परीक्षा मे देखने को मिल रहा है। रिजल्ट का प्रतिशत बढ़ रहा है। विद्यार्थी भी पूरे मनोयोग से पढ़ाई में रूचि ले रहे हैं।

आक्षांश एवं देशांतर का ज्ञान

त्रिभुज एवं अधिकोण का ज्ञान

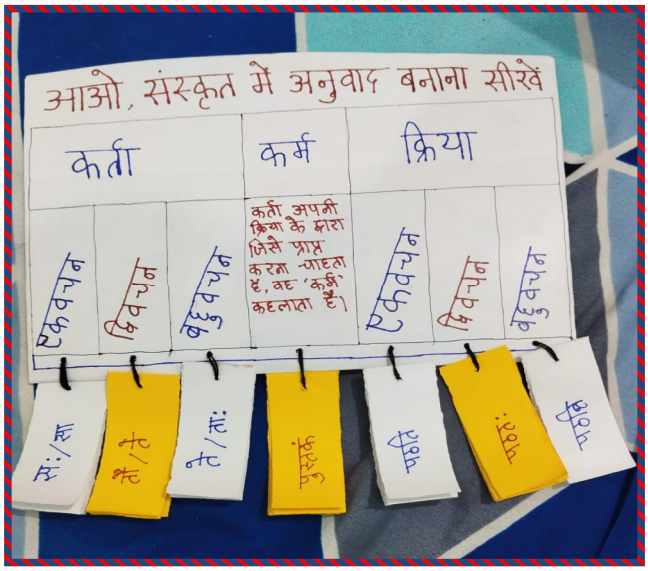

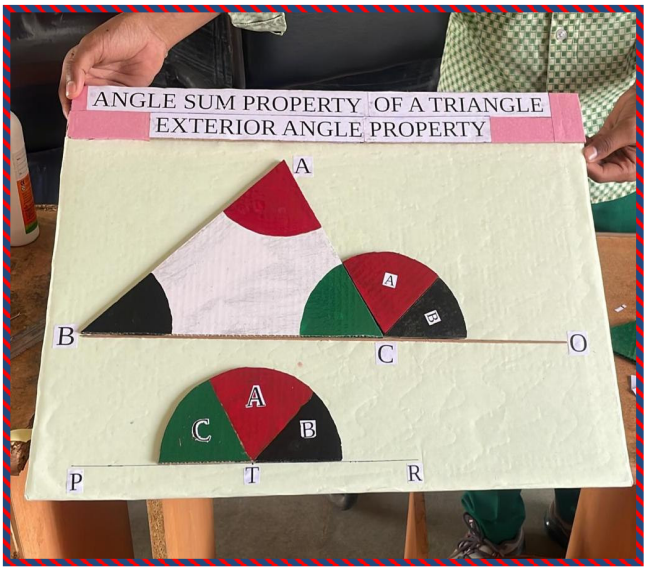

आधुनिक साज–सज्जा युक्त प्रयोगशाला

पर्याप्त सुविधा सम्पन्न प्रयोगशाला नहीं रहने के कारण विद्यार्थियों को विज्ञान प्रौद्योगिकी जैसे कठिन विषयों को जानने समझने में कठिनाई होती थी। आज विद्यालय में अलग–अलग विषयों के सर्व सुविधा सम्पन्न चार प्रयोगशाला का प्रयोग विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों में विज्ञान जैसे कठिन विषयों को जानना समझना आसान हो गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आभाव था। जिसके कारण विद्यार्थियों के अन्दर छिपी विभिन्न कला कौशल का विकास नही हो पाता था।

प्राचार्य महोदय के पहल से आज विद्यालय में विभिन्न प्रकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे – चित्रकला, भाषण, निबंध–लेखन, वाद–विवाद, नाटक, लोकनृत्य, लोकगीत आदि का आयोजन किया जाता है, जिसमें विद्यार्थी बढ़–चढ़ कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा को विकसित कर रहें है।

पिछले दिनो विद्यालय के विद्यार्थी चित्रकला एवं लेखन में जिला एवं राज्यस्तर के लिए चयनित हुए थे।

पुस्तकालय

विद्यालय में आरामदायक पुस्तकालय की व्यवस्था की गई है जिसमें दैनिक सामाचार पत्र, पत्रिकाएँ एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु पर्याप्त पुस्तकें है। जिसका लाभ विद्यार्थियों को मिल हरा है।

बाल विवाह की रोकथाम

विद्यालय में किरण कुमारी (काल्पनिक) नाम की एक छात्रा है । जब वह दसवीं कक्षा में पढ़ती थी उसकी उम्र लगभग 14 वर्ष थी। वह एक अत्यन्त पिछड़े गाँव से विद्यालय आती थी। उसके माता पिता अशिक्षित थे। अतः उन्होने कम उम्र में ही उसकी विवाह कर देने की ठानी। यह विवाह उसके इच्छा के विरूद्ध हो रही थी। चूंकि किरण पढ़ाई लिखाई में अच्छी थी बाल विवाह कि दुष्परिणामों को जानती थी। अतः वह क्लास में गुमसुम रहने लगी थी। वर्ग शिक्षक का ध्यान उसकी ओर गया थोड़ी पूछताछ में ही उसने बताया कि मेरी इच्छा के विरूद्ध मेरा बाल विवाह हो रहा है।

इसकी जानकारी होते ही विद्यालय के शिक्षकों एवं प्राचार्य द्वारा समाज के प्रबुद्ध जनों को साथ लेकर उनकी माता–पिता से मिला गया तथा बाल–विवाह के होने वाले दुष्परिणामों को बताया गया साथ ही बाल–विवाह कानूनन अपराध है इसके बारे में बताया गया। एक लम्बे संघर्ष के बाद उसके माता–पिता को समझा पाए कि बाल–विवाह के भयंकर दुष्परिणाम होते हैं। तब जाकर वह अपनी बेटी का बाल–विवाह रोकने के लिए माना, साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि मेरी बेटी जबतक पढ़ना चाहेगी उसे पढ़ाएंगे तथा उसकी मर्जी से ही उसका विवाह करायेंगे।

आज किरण मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण कर इंटर की तैयारी कर रही है। उसका लक्ष्य एक अध्यापिका बनना है। संभव है वह अपने लक्ष्य को निश्चय ही प्राप्त करेगी।

विद्यार्थी को मुख्यधारा में लाया।

विद्यालय में विकास कुमार (काल्पनिक) नाम का एक छात्र है। वर्ग नवम में नामांकन के साथ ही उसकी शरारतें एवं अनुशासन हीनता दिखने लगी थी। अपने सहपाठियों से मार–पीट लड़ाई–झगड़ा उसकी दिनचर्या का हिस्सा बन गयी थी। कई बार शिक्षकों एवं प्राचार्य द्वारा समझाने के बाद भी उसके स्वभाव में वाछिंत सुधार नहीं हुआ। प्राचार्य महोदय द्वारा उसके गाँव जाकर उसके माता–पिता से मिला गया। तब पता चला कि उसके माता–पिता आपस में लड़ते झगड़ते रहते है। घर में अशान्ति का माहौल है तथा आर्थिक तंगी भी है। उसके पिता शराब पीकर मारपीट करते रहते है उसकी एक छोटी बहन भी है जो भय के माहौल में जी रही है। घर के माहौल व माता–पिता के प्यार–दुलार के अभाव के कारण ही विकास चिड़चिड़ा, जिद्दी व विद्रोही हो गया है। उसके बिगड़ने का कारण पता चल चुका था। अब उसके ईलाज की जरूरत थी। प्राचार्य महोदय ने समाज के प्रबुद्ध जनों एवं स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टर की सहायता से उसके शराब पीने की लत को छुड़ाया साथ ही मनरेगा के तहत रोजगार से जोड़ा गया। घर में आमदनी होने लगी शान्ति का माहौल बनने लगा। धीरे–धीरे विकास के स्वभाव में परिवर्तन दिखने लगा। विकास को दण्ड की नहीं प्यार और दुलार की आवश्यकता थी, जो घर में उसके माता–पिता तथा विद्यालय में शिक्षकों द्वारा मिलने लगा। पढ़ाई से ही बेहतर जीवन शैली अपनाई जा सकती है। ये बात उसकी समझ में आने लगी थी।

जिस विकास से सारा विद्यालय नफरत करता था आज वह सबका चहेता बन गया है। हरेक पाठ्यसहगामी क्रिया एवं आयोजनों में उसकी बेहतर सहभागिता होती है। आज विकास वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2024 की तैयारी कर रहा है। उसमें नेतृत्व गुण का विकास हो रहा है। उसे देखकर लगता है आगे चलकर वह एक नेता बनेगा।

हमारा लक्ष्य –

''शत प्रतिशत उपस्थिति शत प्रतिशत परिणाम''

हमारा विद्यालय शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मियों, पदाधिकारियों स्थानीय बुद्धिजीवियों, जननायकों के सहयोग से नित्य आगे बढ़ रहा है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास इस विद्यालय का मुख्य लक्ष्य है। जिसे पूरा करने के लिए नित्य ही विद्यालय परिवार पूरी तन्मयता से लगा रहता है। आज हमारी पहचान जिले में एक बेहतर विद्यालय के रूप में है। हमलोग अपने विद्यार्थियों के विकास के साथ राज्य स्तरीय पहचान बनाने के लिए कृत संकल्प है–

हम होंगे कामयाब–हम होंगे कामयाब
हम होंगे कामयाब एक–दिन.....
मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन.....

.....

.....

.....